रात्रि क्लास 2-6-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

अभी बच्चे यहां प्रदर्शनी कर रहे हैं। आना-जाना सम्भाल के रखना है। आना जाना बच्चियों को कम हो। अगर आवे भी तो साथ मेल हो। बाप दादा को सब से जास्ती मोह बच्चों में रहता है। कितनादूर से आते हैं। अपना परमधाम छोड़ इनकी रेख-देख करने आते हैं। कितने कांटे से फूल बनाते हैं। तो जरूर बाप परवरिस करते हैं। कई समझते नहीं हैं। कालेज में कोई चुस्त कोई बुधू भी होते हैं। भैंस बुधि का। आयरन एजेड वर्ल्ड है ना। है ही भैंस बुधि। सभी काले हैं ना। कुछ भी नहीं समझते। बाप को आकर समझाना पड़ता है। कोई भी नहीं जो इन्हों को समझावे। बाप को ही समझाना पड़ता है। तुम कहेंगे कि हम भी भैंस बुधि थे। तुमसमझते हो अच्छी रीत जो भी मनुष्य मात्र है ही बन्दर बुधि। बाप बन्दर जैसे मनुष्यों से मंदिर जैसा बनाकर राज्य पर जीत पहनाते हैं। बन्दर से भेंट करते हैं। एप्स को मनुष्य आप समान बनाने की कोशिश करते हैं। ऊंच ते ऊंच भगवान है बाप। जरूर वह अपने बच्चों को भी ऊंच ते ऊंच पद देंगे। बाप समझाते हैं शिवरात्रि भी मनाते हैं। शिव बाबा ही आकर यह रामराज्य स्थापन करते हैं। उद्घाटन तो बाप का किया हुआ है ना। नई दुनिया बन रही है। बनने समय में दूसरा कोई उद्घाटन होता नहीं। यह सेन्टर्स पर उद्घाटन करते हैं मनुष्यों को मालूम पड़े तो आवे। इसलिए बाकी उद्घाटन तो बाप ने किया है। चढ़ने लिए तुम्हारे लिए लिफ्ट है। उतरने लिए लिफ्ट नहीं है। लिफ्ट इजी है। इस समय जीते जी सभी कब्रदाखिल है। तुम जो पवित्र बन रहे हो तो खुशी बहुत होगी। जितना जो समझा सकते हैं उनको खुशी जरूर होगी। जो इस धर्म के होंगे वह तुम्हारे पास आवेंगे। देर है। कनवर्ट हो गये होंगे तो निकल आवेंगे। सेपलिंग लगता रहेगा। मुसलमान, सिक्ख पारसी भी आते हैं। तुम सारे विश्व को पवित्र बनाकर राज्य लेते हो। जितनातुम याद करते रहो शक्तिवान बनते जाते हो। साथ में नालेज तो है ही। वह तो बहुत सहज है 84 का चक्र। बाकी जिनको कल्प पहले भी नालेज नहीं मिली है उनके लिए डिफीकल्ट है। बच्चों को खुशी होता है बस यही सर्विस करेंगे। पता नहीं शरीर छूट जाये। क्यों नहीं हम बेहद के बाप से वर्सा पा लेवें। बच्चों ने पहचाना है तो श्रीमत पर चल बापसे पूरा वर्सा लेना चाहिए। कई बहुत अच्छे2 शरीर छोड़ कर जाते हैं। तो उनकी याद में आंसु आ जाती है। बड़ी ही अच्छा था। ख्याल करें तो सब से अच्छे यह (ल0ना0) थे। अभी तो चित्र न हो तो तुम समझा सकते हो। मुख्य बात है याद की। मुरली आदि में तो बहुत तीखे हैं। परन्तु वह अवस्था, याद की यात्रा मुश्किल है। बाप कहते हैं रोज का चार्ट रखो। तो मालूम पड़ेगा अपना। परन्तु बहुत थोड़े ही रखते हैं। फिर बाबा समझते हैं ड्रामा अनुसार होता है। प्रदर्शनी में कोई हड्डी समझेंगे कहेंगे यह तो बहुत अच्छा है। समझने लायक है। फिर जितना पढ़ेंगे उतना ऊंच पद पावेंगे। स्वर्ग के मालिक बनेंगे। अभी तो कोई भी कह देते हम भारत के मालिक हैं। प्रजा का राज्य है ना। पंचायती राज्य है जहां तहां। उनको अपने धर्म का पता नहीं है। ऐसे तो बहुत हैं जो अपने धर्म को नहीं जानते। कोई अपने ख्याल का कोई अपने ख्याल का। जो गुरु कहे वह करेंगे। तो गुरु को ही मिनिस्टर बना दे। यह भी सभी ड्रामा में नूंध है। तुम बच्चे इस ड्रामा की ग्लानी नहीं करते हो बतलाते हो कैसे मनुष्य हैं। यह खुलाविकुल अच्छा बना हुआ है। परन्तु अपना पद पाने लिए पुरुषार्थ करना है। बाप कहते हैं माया से खबरदार रहो। बाप को कब भी भूले-चूके छोड़ना नहीं। अगर पहचाना है तो। बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। इनको जीतने से तुम स्वर्ग के मालिक बनेंगे। जो पुरुषार्थ करेंगे वही स्वर्ग के मालिक ऊंच पद पावेंगे। स्वर्ग न देखा, राज्य न पाया तो मनुष्य क्या काम का।

अच्छा मीठे2 सिकीलधे बच्चों को रूहानी बाप व दादा का याद प्यार गुडनाईट। मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

-: बेहद केबाप का बेहद का वर्सा याद है?:-

*: : ******* : : *